उत्पत्ति हुई है। क्योंकि जल तीनो अवस्थाओं ठोस, द्रव और गैस के रूप में पाया जाता है।

(2) एनेक्जिमेण्डर (Anaximender) 611 ई०पू० - 544 ई०पू० थेलिस के शिष्य एवं मित्र थे जिन्होंने 'ओन नेचर' नामक पुस्तक लिखी। अपने गुरू थेलिस के इस विचार का खंडन करते हैं कि जल से सभी वस्तुएँ उत्पन्न होती हैं। वे जगत के मूल तत्व में एक 'असीम तत्व' (Aperion the Boundless) को उपस्थित बतलाते हैं। यह असीम तत्व जड़ है या चेतन इसपर वे स्पष्ट नहीं हैं परन्तु वे इसे नित्य, अपरिणामी, अविनाशी, स्वयंभू, निर्गुण, निर्विशेष तथा अभेद कहते हैं।

(3) एनेक्जिमेनीज (Anaximanis) 588 ई०पू० 524 ई०पू० एनेक्जिमेनीज थेलिस से इस बात में सहमत थे कि मूल तत्व कोई एक सविशेष तत्व होना चाहिए असीम निर्विशेष नहीं। किंतु यह जल नहीं हो सकता क्योंकि जल से विरोधी तत्व अग्नि की उत्पत्ति नहीं हो सकती। यह तत्व वायु हो सकता है क्योंकि -

(a) वायु हमारे जीवन का आधार है।
(b) यह संपूर्ण विश्व का भी आधार है।
(c) वायु उष्म एवं शीतल के मध्य है।
(d) वायु से सभी कुछ उत्पन्न होता है।
(e) वायु ही जमकर धुंध एवं वाष्प होता है।
(f) अंधकार भी इसी का स्वरूप है।
(g) वायु के विरल होने पर वह अग्नि बन जाती है जिससे सूर्य और चन्द्र आदि बनते हैं।
(h) इसके घनीभूत होने पर बादल, जल पृथ्वी आदि बनते हैं।

उपरोक्त तीनो दार्शनिक आयोनिक या माइलेशियन संप्रदाय के माने जाते हैं क्योंकि तीनो ग्रीक के आयोनिया नामक राज्य में जन्मे थे।

Dr. Kamalendra Kumar
Deptt. of Philosophy.
Mob: 9934710045
Email Id - Kumarkamalendra@gmail.com

Scanned with CamScanner

दर्शनशास्त्र (Philosophy)

भारतीय दर्शन (INDIAN PHILOSOPHY) → दृश - धातु से व्युत्पत्ति अर्थात् प्रत्यक्ष करना या देखना

पाश्चात्य दर्शन (WESTERN PHILOSOPHY) → Philos + sophia
प्रेम ज्ञान
ज्ञान के प्रति अनुराग/प्रेम

अंतर :- भारतीय दर्शन विशुद्ध रूप से मोक्ष की ओर अग्रसर
पाश्चात्य दर्शन विशुद्ध रूप से ज्ञान प्राप्ति की ओर अग्रसर

[पाश्चात्य दर्शन]
Western Philosophy

(1) प्राचीन काल (Ancient period)

(2) मध्यकाल (Mediaval period)

(3) आधुनिक काल (Modern Period)

(4) समकालीन युग/काल (contemporary period)

प्राचीन काल (Ancient period)

6th ई०पू० 4th ई०पू० माना गया है।
इसे भी चार भागों में बाँट सकते हैं।

(a) सुकरातपूर्व युग (Pre-socrates Era/Period)
(b) सुकरात युग (Socratic Period)
(c) प्लेटो और सुकरात युग (Plato and Socrates Period)
(d) उत्तर अरस्तु युग (Post-Aristotle period)

सुकरात पूर्व युग / ग्रीक दर्शन (Pre-Socratic Period)

(1) थेलिस (THALES) 624 ई०पू० - 550 ई०पू०
पाश्चात्य दर्शन का जनक माना जाता है क्योंकि सर्वप्रथम इन्होंने ने ही पूर्वमान्यताओं के खिलाफ इस प्रश्न पर विचार किया कि जगत के मूल में क्या है, तथा इसकी वैज्ञानिक व्याख्या का प्रयास किया।

* इन्होंने जल को मूल तत्व माना जिससे संसार की

Scanned with CamScanner